Solution
PRELIMINARY EXAM - 3
Class 10 - हिंदी ब

खंड - क (अपठित बोध)

1. 1. (ख) सरकारी अथवा सार्वजनिक स्थानों पर राष्ट्रभाषा का अशुद्ध प्रयोग देखने को मिलता है ।
   2. (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है ।
   3. (घ) 26 जनवरी 1950
   4. राष्ट्रभाषा के विकास के लिए सरकार और जनता द्वारा जो प्रयत्न किए गए हैं, उन्हें हम किसी भी प्रकार से संतोषजनक नहीं मान सकते ।
   5. हिन्दी में पत्र पर पता लिखते समय हम इस सोच में पड़ जाते हैं कि पत्र कहीं भटकता तो नहीं रहेगा ।
2. 1. (ख) मोहक प्रकृति से दूर सोए रहने वालों को अभागा कहा गया है ।
   2. (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है ।
   3. (घ) सूर्य + उदय
   4. प्रातःकाल के समय वन, खेत, उपवन या नदी तट की सैर मन को अपार आनंद प्रदान करती है ।
   5. जब पुष्प विकसित होते हैं, कमल मुसकाते हैं, पेड़ों पर पक्षी चहचहाते हैं और पवन शीतल और सुगंधमय होती है, तब हमें मोहक प्रकृति का अनुभव होता है ।

खंड - ख (व्यावहारिक व्याकरण)

3. i. अयोध्या के राजा दशरथ
   ii. डूबती चली गई
   iii. क्रिया पदबंध
   iv. पीले - पीले पके आम
   v. सर्वनाम पदबंध
4. i. सरल वाक्य
   ii. संयुक्त वाक्य
   iii. जो कर्म करने वाले हैं, उन्हें फल की इच्छा नहीं करनी चाहिए ।
   iv. विद्वान और सत्यवादी का सर्वत्र सम्मान होता है ।
   v. दो या दो से अधिक ।
5. 'समास' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -
   (a) समास के प्रकार के आधार पर प्रधान पद का निर्धारण होता है । जैसे, अव्ययीभाव समास में पहला पद प्रधान होता है, तत्पुरुष समास में दूसरा पद, और बहुव्रीहि में कोई भी पद प्रधान नहीं होता ।
   (b) न द्विगु समास में पूर्व पद और उत्तर पद दोनों को जोड़ने का कार्य एक सकारात्मक, निराकार और नकारात्मक रचनाओं से संबंधित होता है । उदाहरण - "प्रकृतिवादी" (प्रकृति+वेद), जहाँ वेद और प्रकृति दोनों की आपस में जुड़े हुए होते हैं ।
   (c)
   - विग्रह: राज + महल
   - भेद: यह तत्पुरुष समास है, जिसमें "राज" (राजा से संबंधित) और "महल" (महल या स्थान) मिलकर "राजमहल" (राजा का महल) का अर्थ बनाते हैं ।

   (d) विशेषता: अव्ययीभाव समास में पहला पद अव्यय (बिना रूप बदलने वाला) होता है और दूसरा पद संज्ञा या विशेषण होता है । उदाहरण: "यथाशक्ति" (शक्ति के अनुसार) में "यथा" (अव्यय) और "शक्ति" (संज्ञा) मिलकर नया अर्थ उत्पन्न करते हैं ।
   (e) विग्रह: नगर + इक्ता
   भेद: यह तत्पुरुष समास है, जिसमें "नगर" (शहर) और "इक्ता" (अधिकार) मिलकर "नागरिकता" (शहर के नागरिक का अधिकार) का अर्थ बनाते हैं ।
6. 'मुहावरे' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -
   (a) सूझ-बुझ से काम लेना ।
   (b) फूली नहीं समा
   (c) नौ दो ग्यारह होना: अचानक भाग जाना ।
   पांचों उंगलियां घी में होना: हर तरह से सुखी होना ।
   (d) अध्यापक की डांट सुनकर वह पानी-पानी हो गया ।
   (e) मुहावरा: जोश में होश खोना ।
   वाक्य: मैच जीतने की खुशी में खिलाड़ियों ने जोश में होश खो दिया ।

खंड - ग (पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
   रावण भूमंडल का स्वामी था । ऐसे राजाओं को चक्रवर्ती कहते हैं । आजकल अंग्रेजों के राज्य का विस्तार बहुत बढ़ा हुआ है, पर इन्हें चक्रवर्ती नहीं कह सकते । संसार में अनेक राष्ट्र अंग्रेजों का आधिपत्य स्वीकार नहीं करते, बिलकुल स्वाधीन हैं । रावण चक्रवर्ती राजा था, संसार के सभी महीप उसे कर देते थे । बड़े-बड़े देवता उसकी गुलामी करते थे । आग और पानी के देवता भी उसके दास थे, मगर उसका अंत क्या हुआ? घमंड ने उसका नाम-

EDUTECH ACADEMY

निशान तक मिटा दिया, कोई उसे एक चुल्लू पानी देने वाला भी न बचा। आदमी और जो कुकर्म चाहे करे, पर अभिमान न करे, इतराये नहीं। अभिमान किया और दीन-दुनिया दोनों से गया।

(a) **(a)** भूमंडल का स्वामी
Explanation:
भूमंडल का स्वामी

(b) **(b)** सभी विकल्प सही हैं
Explanation:
सभी विकल्प सही हैं

(c) **(d)** कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
Explanation:
कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(d) **(b)** सब कुछ नष्ट करना
Explanation:
सब कुछ नष्ट करना

(e) **(c)** भाई साहब, लेखक को
Explanation:
भाई साहब, लेखक को

8. निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए :

(a) इस पाठ के माध्यम से यह पता चलता है कि देश को स्वतंत्रता आसानी से प्राप्त नहीं हुई। इसके लिए प्रत्येक भारतवासी ने अपना हर संभव योगदान दिया। जब अंग्रेज़ी शासकों ने आजादी का आंदोलन दबाने के लिए भारतीयों के विरुद्ध हिंसा का सहारा लिया। किंतु लाखों आंदोलनकारियों ने अपनी जान की परवाह न करते हुए अंग्रेज़ी सरकार के कानूनों का उल्लंघन कर, उनके विरुद्ध अहिंसक आंदोलन किया। इसमें स्त्री-पुरुष समान रूप से सम्मिलित थे। इससे हमें यह संदेश मिलता है कि हमारे देश की आजादी के लिए संपूर्ण बलिदान की तैयारी रखनी चाहिए।

(b) लेखक अपने दो मित्रों के साथ जापान की एक 'टी-सेरेमनी' में शामिल हुआ। यह चाय पीने की एक विधि है जिसे जापानी 'चा-नो-यू' कहते हैं। 'टी-सेरेमनी' छः मंजिली इमारत की छत पर एक सुंदर पर्णकुटी में आयोजित होती है। यहाँ चाय पिलाने वाला व्यक्ति 'चाजीन' बैठा रहता है। उसने बहुत ही विनम्रतापूर्वक अभिवादन किया। लेखक तथा उनके मित्रों को बुलाया। बैठने को जगह दी, अँगीठी सुलगाई तथा उस पर चायदानी रखी। बर्तनों को तौलिए से साफ़ किया। उसकी ये सभी क्रियाओं इतनी गरिमापूर्ण ढंग से कहीं कि उसकी हर भंगिमा से लगता था मानो जयजयवंती के स्वर गूंज रहे हो। वहाँ का वातावरण इतना शांत था कि चायदानी के पानी का खदबदाना भी सुनाई दे रहा था।

(c) जंगल में कर्नल कालिंज ने खेमा लगाया हुआ है | कर्नल ने यह खेमा ईस्ट इंडिया कंपनी के आदेश पर एक लेफ्टिनेंट और कुछ सिपाहियों के साथ मिलकर लगाया है | यह खेमा वजीर अली को ढूँढने और पकड़ने के लिए लगाया गया है |

(d) 'सैल्यूलाइड' का अर्थ है- फ़िल्म को कैमरे की रील में उतार चित्र प्रस्तुत करना। 'तीसरी कसम' फ़िल्म की पटकथा फणीश्वर नाथ रेणु की अत्यंत मार्मिक साहित्यिक रचना को आधार बनाकर लिखी गई है। इस फ़िल्म में कविता की भाँति कोमल भावनाओं को बखूबी उकेरा गया है। भावनाओं की सटीक एवं ईमानदार अभिव्यक्ति के कारण इसे फ़िल्म न कहकर सैल्यूलाइड पर लिखी कविता कहा गया है।

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी,
मरो, परंतु यों मरो कि याद जो करें सभी।
हुई न यों सुमृत्यु तो वृथा मरे, वृथा जिए,
मरा नहीं वही कि जो जिया न आपके लिए।
वही पशु-प्रवृत्ति है कि आप आप ही चरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

(a) **(c)** परोपकारी मनुष्य की
Explanation:
परोपकारी मनुष्य की

(b) **(a)** केवल अपने लिए जीना
Explanation:
केवल अपने लिए जीना

(c) **(a)** जो अपना जीवन परोपकार में लगा देता है, वह कभी नहीं मरता।
Explanation:
जो अपना जीवन परोपकार में लगा देता है, वह कभी नहीं मरता।

EDUTECH ACADEMY

(d) **(c)** परोपकार करने वाला

Explanation:

परोपकार करने वाला

(e) **(a)** (i), (ii), (iii)

Explanation:

स्वार्थ की भावना का होना पशु-प्रवृति की निशानी है । परमार्थ की भावना ही मनुष्य की पहचान है । हमारी मृत्यु यादगार होनी चाहिए ।

10. निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए :

(a) कवयित्री मीरा अपने प्रभु की भक्ति में डूबकर उनका सामीप्य और दर्शन पाना चाहती हैं । इसके लिए वे चाहती हैं कि श्रीकृष्ण उन्हें अपनी चाकरी में रख लें । मीरा बाग लगाना चाहती हैं ताकि श्रीकृष्ण वहाँ घूमने आएँ और उन्हें दर्शन मिल सके । वे श्रीकृष्ण का गुणगान ब्रज की गलियों में करती हुई घूमना-फिरना चाहती हैं । मीरा विशाल भवन में भी बगीचा बनाना चाहती हैं ताकि उस बगीचे में घूमते श्रीकृष्ण के दर्शन कर सके । वे श्रीकृष्ण का सामीप्य पाने के लिए कुसुम्बी रंग की साड़ी पहनती हैं और अपने प्रभु से प्रार्थना करती हैं कि वे आधी रात में जमुना के किनारे मिलने की कृपा करें क्योंकि इस मिलन के लिए उनका मन बेचैन हो रहा है ।

(b) कविता के अनुसार सहस्त्र दृग-सुमन से तात्पर्य है हज़ारों पुष्प जो कि आँखों के समान प्रतीत होते हैं । कवि ने इसका प्रयोग पर्वत पर खिले हजारों पुष्पों के लिए किया है जो पर्वत के आँखों के समान हैं और जिनका प्रयोग पर्वत नीचे जल में अपना विशाल आकार देखने के लिए कर रहे हैं ।

(c) कवि ने कहा है कि प्राण छोड़ते समय सैनिकों की साँस थमती गई और नसें जमती गई फिर भी उन्होने बढ़ते कदम को नहीं रोका । उनके सिर कटते गए, मगर उन्होंने हिमालय का सिर झुकने नहीं दिया । वे देश के लिए अपनी अंतिम साँस तक कठिन परिश्थितियों में संघर्ष करते रहे ।

(d) कविता के अनुसार कवि प्रार्थना करते हैं कि वे ईश्वर का स्मरण केवल दुःख में ही नहीं सुख में भी करें । वे कहते हैं कि संसार में मुझे केवल हानि ही प्राप्त हो, अथवा दुख के समय में पूरा संसार मुझे धोखा दे, फिर भी मैं तुम्हारा स्मरण करूँ और तुम पर तनिक भी संदेह न करूँ ।

11. पूरक पाठ्य पुस्तक 'संचयन' के निर्धारित पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए :

(a) महंत व पुजारी कपटी व स्वार्थी स्वभाव के थे । भाईयों के मन में भी स्वार्थ व धन-लोलुपता की भावना थी । निःसंतान हरिहर काका की जमीन व धन पर सभी की लालची नज़र थी । इन्हीं कारणों से वे हरिहर काका के विरोध में रहते थे और उनकी जमीन को अपने नाम करवाना चाहते थे । इसके लिए उन्होंने हरिहर काका को जान से मारने का प्रयास भी किया, लेकिन हरिहर काका ने उनकी राय फिर भी नहीं मानी क्योंकि उन्हें गाँव के कुछ ऐसे लोगों की दुर्दशा व बुरी हालत का पता था जिन्होंने जीते-जी अपनी जमीन दान में दे दी या संबंधियों के नाम लिख दी । वे जानते थे कि उनके जीवन का सहारा उनकी जमीन ही है । अगर वही उन्होंने किसी ओर के नाम लिख दी तो वे दाने-दाने को मोहताज हो सकते हैं ।

हरिहर काका के साथ उनके भाइयों द्वारा दुर्व्यवहार किए जाने पर पुजारी व महंत ने उनकी जायदाद के लालच में काका की बहुत आवभगत की । उन्हें अपने साथ ठाकुरबाड़ी ले आए और उन्हें तरह-तरह से बहला-फुसलाकर जायदाद को ठाकुर जी के नाम करने के लिए समझाने लगे । किसी भी तरह से वे उनकी जायदाद को अपने नाम लिखवाना चाहते थे, किन्तु हरिहर काका ने ऐसा करने से साफ इनकार कर दिया तो उन्हें अपने पुजारियों से पिटवाया और कोरे कागजों पर उनके अँगूठे के निशान ले लिए, यहाँ तक कि उन्हें जान से मरवाने का भी प्रयास किया । हरिहर काका को महंत, पुजारी व भाइयों ने बहुत यातनाएँ दीं । स्वार्थ और लोभ-लालच में आकर उन्हें बहुत ही परेशान करते थे । इसलिए हरिहर काका उनकी राय नहीं मानना चाहते थे ।

(b) 'सपनों के-से दिन' पाठ इस बात को सिद्ध करता है कि कठोर दिखने वाले व्यक्ति के भीतर भी कोमल भावनाएँ छुपी होती हैं । पाठ में लेखक के पिता एक अनुशासित, सख्त स्वभाव के व्यक्ति थे, लेकिन जब लेखक के मन की दुविधाएँ सामने आईं, तो उन्होंने अपने कठोर चेहरे के पीछे छुपा स्नेह, चिंता और समझदारी दिखाई । उन्होंने बेटे की भावना को समझते हुए उसे जीवन के महत्वपूर्ण निर्णय लेने की स्वतंत्रता दी । इससे स्पष्ट होता है कि कठोरता के आवरण में भी भावनाओं की नमी छुपी होती है ।

(c) कस्टोडियन शब्द का अर्थ है सरकारी कब्ज़ा होना । इफ्फन की दादी के पीहर वाले पहले भारत में रहते थे । जब वे भारत से पाकिस्तान रहने चले गए तो उनके घर की देखभाल करने वाला कोई नहीं रहा और न ही उस घर पर उनका मालिकाना हक़ रहा । इस प्रकार उनका घर सरकारी कब्ज़े में चला गया ।

खंड - घ (रचनात्मक लेखन)

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

(a) **लड़का-लड़की एकसमान**

हम सभी मनुष्य एक सामाजिक प्राणी हैं । हमारे समाज में लड़का और लड़की दोनों प्रजाति के लोग निवास करते हैं । हमारे समाज और देश को चलाने के लिए लड़का और लड़की दोनों का महत्त्वपूर्ण योगदान होता है । पहले लोग लड़कियों की तुलना में लड़कों को अधिक महत्त्व देते थे । इसका यह कारण था कि लड़कों को बाहर जाना पड़ता था और नौकरी करनी पड़ती थी इसलिए उन्हें अधिक देखभाल और अधिक शक्ति की आवश्यकता थी । लड़कियों को बाहर जाने की इजाज़त नहीं थी । उन्हें घरों के अंदर रहना पड़ता था और घरेलू काम करना पड़ता था । लड़कों को शिक्षा दी जाती थी लेकिन लड़कियों को शिक्षा प्राप्त करने की अनुमति नहीं थी । लड़कियों को समाज में लड़कों से कम माना जाता है तथा लड़कियों को केवल घर के कामों के योग्य समझा जाता है । यह बिल्कुल ही गलत होता है, लोगों को ऐसी सोच नहीं रखनी चाहिए और लड़कियों को भी लड़कों के समान सभी क्षेत्र में अवसर प्रदान करने चाहिए । लड़कों को कहीं भी आने-जाने का अधिकार दिया जाता है, उसी प्रकार लड़कियों को भी बिना रोक-टोक के अधिकार देने चाहिए ताकि लड़कियाँ भी देश की प्रगति में अपना योगदान दे सकें और आत्मनिर्भर बन सकें । बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करना और उन्हें समाज में सम्मान देना आवश्यक है । सरकारी योजनाएँ उन्हें शिक्षा और स्वविकास के लिए सहायता प्रदान करनी चाहिए ।

EDUTECH ACADEMY

यदि लड़का-लड़की एकसमान होंगे, तो समाज और देश दोनों का प्रगति करने में सक्रिय योगदान मिलेगा। समाज में जागरूकता बढ़ाने के लिए समाज संगठनों को लड़का-लड़की समानता को प्रचारित करने के लिए जागरूक करना चाहिए। स्कूल और कॉलेजों में संभलता और समानता को प्रोत्साहित करना अनिवार्य है। ऐसा करके हम एक समृद्ध और उत्थानशील समाज का निर्माण कर सकते हैं, जहाँ हर व्यक्ति अपने सपनों को पूरा कर सकता है।

(b) **वन संरक्षण**

वनों का हमारे जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है। वन पृथ्वी के संतुलन को बनाए रखता है। पेड़ पौधों को बचाना एक बहुत जरूरी कार्य बन गया है। क्योंकि लोग दिन प्रतिदिन वनों की कटाई करते जा रहे हैं, जिससे पृथ्वी का संतुलन बिगड़ता जा रहा है। पौधे तेजी से विलुप्त होते जा रहे हैं। जिससे वनों में रहने वाले पशु, पक्षी, जंगली जानवर सब बेघर होते जा रहे हैं। इससे जंगली जानवर इंसानों के इलाकों में घुस जाते हैं जिससे लोगों में भय का माहौल होता हैं।

वनों की कटाई की वजह से नदियाँ, झीलों पर भी असर पड़ता है। वन एक विशाल भूमि क्षेत्र है। दुनिया में विभित्र प्रकार के वन हैं, जिन्हें उनकी मिट्टी, पेड़-पौधों, वनस्पतियों एवं उसमें रहने वाले कई प्रकार के जीव-जंतुओं के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है। वनों की वजह से वातावरण में हवा शुद्धिकरण होता रहता है। यह जलवायु परिवर्तन होने में भी मदद करता है। वनों से प्रत्यक्ष लाभ कुछ ही व्यक्तियों को होता हैं। लेकिन अप्रत्यक्ष हानि सारे जीव-जंतुओं को होती है। इसलिए वनों का संरक्षण अत्यावश्यक है। वनों के संरक्षण के लिए सरकार भी उत्तरदायी है क्योंकि वनों के अस्तित्व का सार्वजनिक महत्व एवं आवश्यकता है। वन, बाढ़ और अकाल से हमें बचाते हैं जंगलों की वजह से हमें शुद्ध हवा प्रदान होती है।

वनों को बचाने के लिए हमें कई तरह से कदम उठाना चाहिए। वनों की कटाई करने से रोकना और ज्यादा से ज्यादा पेड़-पौधे लगाना चाहिए। हम जिस वातावरण में रहते हैं, शांति और शुद्ध होता है। हम जितना हो सके उतना पैदल चले इससे हमारी सेहत और पर्यावरण सुरक्षित रहेगा। पानी का सीमित उपयोग करना चाहिए, अनावश्यक पानी की बर्बादी नहीं करनी चाहिए। सभी लोगों को वृक्षारोपण और जल संरक्षण करना चाहिए। प्लास्टिक का उपयोग नहीं करना चाहिए तथा जैविक खाद का इस्तेमाल करना चाहिए। वनों में रहने वाले जीव-जंतुओं का शिकार न हो, इस पर प्रतिबंध लगाना चाहिए। हमें वनों को बचाने के लिए बनाए गए नियमों का पालन करना चाहिए।

(c) वन हमारी **भारतीय संस्कृति** के परिचायक रहें हैं। प्राचीनकाल में मनुष्य प्रकृति के संरक्षण में अपने जीवन मूल्यों को आलोकित व पल्लवित करता था इसीलिए वन हमारी आध्यात्मिक व भौतिक उन्नति के आधार स्तंभ रहें हैं। वृक्षों के बारे में कहा भी गया है कि, वृक्ष कबहुँ नहिं फल भखै, नदी न पीवे नीर। परमारथ के कारणे साधु धरा शरीर। ।' वन त्याग, परोपकार, विनम्रता और एकता की शिक्षा ग्रहण करता है। वनों से हमें कई लाभ है किंतु प्रमुख रूप से इसे दो भागों में बाँटा जा सकता है।

- प्रत्यक्ष लाभ।
- अप्रत्यक्ष लाभ।

वनों से जड़ी-बूटी, औषधियाँ, फर्नीचर बनाने व ईंधन हेतु लकड़ियाँ प्राप्त होती है। वनो से अनेक लघु व कुटीर उद्योग चलते है, वन्य प्राणियों को जीवनाधार है ये वन। नैसर्गिक सौंदर्यानुयगी मनुष्यों के लिए ये पर्यटन का माध्यम भी है। अप्रत्यक्ष रूप से देखें तो ये वन वातावरण के तापक्रम को नियंत्रित करने व संतुलन बनाए रखने में सहायक है। मरूस्थल के प्रसार को रोक बाढ़ नियंत्रण में सहायक होते हैं। मनुष्य अपने स्वार्थ के लिए अंधाधुंध वनों की कटाई कर रहा है जिसके कारण वर्षा प्रभावित हो रही है। प्राकृतिक संतुलन बिगड़ रहा है जिसका भयंकर परिणाम अपने विभिन्न रूपों में आज हमारे सामने हैं। भूमि की उर्वरा शक्ति का क्षरण हो रहा है व दिनोंदिन जलवायु गर्म हो रही है। वायु **प्रदूषण** बढ़ रहा है, जल स्तर कम हो रहा है और मरूभूमि का प्रसार हो रहा है। वन-संरक्षण आज हमारी प्रथम आवश्यकता बन गई है क्योंकि वृक्ष ही जल है, जल ही अन्न है, और अन्न ही जीवन है। विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं से बचने के लिए वनों की सुरक्षा अत्यंत आवश्यक है अन्यथा अनावृष्टि, अतिवृष्टि, अकाल, इत्यादि विषमताएँ हमारे जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है। अभयारण्यों को बनाना उनकों विकसित करना व संरक्षण प्रदान करना वनों का उद्देश्य है । वन हमें आर्थिक लाभ पहुँचाते हैं। प्रत्येक देशवासी का यह कर्तव्य है कि वह वनों का संरक्षण करें और संकल्पित हों कि वृक्षों का सहेजेंगे। वृक्षारोपण करें यह हमारे जीवन का आधार हैं।

13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में एक औपचारिक पत्र लिखिए -

(a) सेवा में,
श्रीमान प्रबंधक महोदय,
नेशनल बुक ट्रस्ट,
नई दिल्ली।
विषय - पुस्तकें मँगाने के संबंध में पत्र।
महोदय,
निवेदन है कि हमारे विद्यालय के पुस्तकालय में हिंदी, अंग्रेजी व अन्य सभी विषयों की पुस्तकें उपलब्ध हैं, किन्तु बाल-साहित्य की पुस्तकें नहीं हैं। सभी छात्र अंग्रेजी की पुस्तकें पढ़ने के साथ हिंदी बाल-साहित्य की पुस्तकें भी पढ़ना चाहते हैं, जबकि हमारे पुस्तकालय में इन पुस्तकों का अभाव है। अतः आपसे विनम्र निवेदन है कि आप विद्यालय में नवीनतम बाल-साहित्य की कुछ हिंदी पुस्तकें भेजने की कृपा करें। आशा है कि आप हमारी प्रार्थना पर अवश्य ही ध्यान देकर हमें अनुगृहीत करेंगे।
धन्यवाद।
भवदीय,
कमल
दिनांक :

(b) 45/2, सरोजिनी नगर,
दिल्ली

EDUTECH ACADEMY

2/10/20XX

प्रिय नगर-निगम अधिकारी,

मैं आपके संज्ञान में लाना चाहता हूँ कि हमारे घर में पिछले कई दिनों से गंदा और बदबूदार पानी आ रहा है, जो हमारे जीवन की गुणवत्ता पर असर डाल रहा है। यह समस्या हमारे स्वास्थ्य और स्वच्छता के लिए भी हानिकारक है।

आपसे अनुरोध है कि आप इस समस्या के निवारण के लिए उचित कदम उठाएं। संबंधित विभागों को इस बारे में सूचित करें और जल्दी से जल्दी समस्या का समाधान करने का आदेश दें। यह समस्या हमारे परिवार के और हमारे पड़ोसी के घरों को भी प्रभावित कर रही है।

आपका धन्यवाद,

हर्ष

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 60 शब्दों में सूचना लिखिए :

(a)

मैजेस्टिक क्लब, कोलकाता

सूचना

मेगा चैरिटी शो

30 मार्च, 2019

जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि क्लब द्वारा 02 अप्रैल 2019 को क्लब के ओडीटोरियम में एक मेगा चैरिटी शो के आयोजन का निर्णय लिया गया है। इसका आयोजन प्रातः 10 बजे होगा। यह गली में रहने वाले लोगों के लिए है। जो इस शो में हिस्सा लेना चाहते हैं, वे अपने सुझावों के साथ अपना नाम 5 दिनों के अंदर सचिव को दे सकते हैं।

(सचिव)

(b)

अरुणाचल सोसाइटी, गांधीनगर, रायपुर

सूचना

8 जून, 2024

सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

प्रिय सदस्यगण, आपको सूचित करते हुए हमें खुशी हो रही है कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर हमारी सोसायटी में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कृपया दिनांक- 26 जनवरी, 2024 को समय- सुबह 8 बजे से सोसायटी के संस्कृति भवन में उपस्थित हों। यह आपके सहभागिता का एक महत्वपूर्ण अवसर है। अधिक जानकारी के लिए सूचना बोर्ड देखें।

धन्यवाद

सचिव

रेजिडेंट वेलफेयर संगठन

15. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 40 शब्दों में आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए :

(a)

आओ मिलकर वृक्ष लगाएँ, जीवन को खुशहाल बनाएँ

पर्यावरण संरक्षण करके, धरती माँ की गोद सजाएं।

आओ लें

एक सबत्प

पर्यावरण संरक्षण का

प्रकृति से प्रेम करें जल बचाएँ वृक्ष लगाएँ

स्वच्छ एवं सुरक्षित रहे हमारा पर्यावरण यह संकल्प लें।

(b)

रंगो की दुनिया में स्वागत हैं आपका ...

विलक्षण चित्र प्रदर्शनी

स्थानः गोविन्द महाविद्यालय, राज नगर, दिल्ली

छात्रों की विलक्षण प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन!

EDUTECH ACADEMY

आईए आईए उनका मनोबल बढ़ाइए
अपने सदन को विशेष चित्रकला से अलंकृत कीजिए- 16 मार्च 2018
सुबह 9 बजे से 7 बजे तक
पहले 7 ग्राहको के लिए 29% छूट
₹ 1000 से शुरू ...
मोबः 94120XXXX
शर्तें लागू

16. मैं गर्मियों की छुट्टियों में अपने दादा-दादी के पास गाँव गया था। शहर की आबोहवा में वो बात नहीं जो गाँव में है। गाँव का प्राकृतिक वातावरण, वहाँ की शुद्ध ताज़ी हवा, स्वच्छ जल तन के साथ-साथ मन को भी निरोगी और प्रसन्न रखता है। गाँव में लोगों के बीच जो अपनापन और लगाव होता है उसका शहर में अभाव होता है। मन को जो स्वर्गिक आनंद मिलता है उसका तो कोई जवाब ही नहीं। खेतों में हरियाली को निहारना मुझे बचपन से ही पसंद है इसलिए पूर्णिमा की चाँदनी रात में में इच्छा हुई कि मैं खेतों में पड़ने वाली वाली उन धवल किरणों का आनंद लूँ और बस यही सोचकर मैं निकल पड़ा खेतों की ओर। पगडण्डी पर चलते हुए मैं चाँदनी रात का आनंद उठा रहा था। खेतों के बीच पूर्णिमा की चाँदनी में नहाई हुई लहलहाती फ़सल! और धरती पर पड़ने वाली धवल किरणों का आनंद उठाते हुए आनंदमग्न चला जा रहा था कि अचानक से मुझे अपने पाँव के पास कुछ सरसराता हुआ-सा महसूस हुआ। मैंने चौंककर नीचे देखा तो मुझे काले साँप के समान कुछ नज़र आया। वो लहराता हुआ-सा मेरे पाँव पर गिर पड़ा। मैंने घबराकर नीचे देखा और मैं डर गया। डर के मारे मेरे मुँह से बोल भी नहीं निकला। तभी मेरा चचेरा भाई मुझे खोजता हुआ वहाँ आया। उसने मेरी दशा देखी तो नीचे देखा। अब तो उसका हँसते-हँसते बुरा हाल था। मैं डरा हुआ था और वह हँस रहा था। मैंने डरते-डरते उससे पूछा कि उसके हँसने का क्या कारण है? बड़ी मुश्किल से अपनी हँसी रोकते हुए उसने उस साँप को हाथ से उठाया और मुझे दिखाया। अब हँसने की बारी मेरी थी। वह कोई साँप-वाँप नहीं बल्कि काली रस्सी थी जो हवा के कारण हिल रही थी।

OR

From: renu@mycbseguide.com
To: abcschool@gmail.com
CC ...
BCC ...
विषय - चरित्र प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के संबंध में
महोदय,
विनम्र निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय की नौवीं 'अ' की छात्रा हूँ। मैंने फरवरी 2019 में एक छात्रवृत्ति परीक्षा दी थी, जिसमें मुझे सफल घोषित किया गया है। इसमें अन्य आवश्यक प्रमाण-पत्रों के साथ चरित्र प्रमाण-पत्र भी माँगा गया है। मैंने गत वर्ष अपनी कक्षा में दूसरा स्थान प्राप्त किया था। मैं गरीब परिवार से हूँ। पिता जी किसी तरह से मेरी पढ़ाई का खर्च वहन कर रहे हैं। यह छात्रवृत्ति मिलने से मेरी पढ़ाई का खर्च सुगमता से पूरा हो जाएगा।
आपसे प्रार्थना है कि मेरे भविष्य को ध्यान में रखते हुए मुझे चरित्र प्रमाण-पत्र प्रदान करने की कृपा करें। मैं आपकी आभारी रहूँगी।
रेणु यादव

EDUTECH ACADEMY